विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 27अगस्त से 2 सितंबर 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 11 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

नेपाल में महाभयानक बाढ़, १३३ लापता

तिब्बत के पानी ने मचाई तबाही, कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए भारतीय भी पहुंच के बाहर

विदर्भ स्वाभिमान, 26 अगस्त

काठमांडू/रसुवा- नेपाल की सीमा पर बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है. तिब्बत में आयी महाबाढ़ ने नेपाल में भारी तबाही मचाई है, इस बाढ़ में जहां करोड़ों का नुकसान हुआ है, वहीं 160 से अधिक लोगों की मौत की खबर है. कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए कई भारतीयों का भी पता नहीं चल सका है. वहां राहत और बचाव का कार्य जारी है.

नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में आए भीषण सैलाब ने भारी तबाही मचा दी है. हिमालयी क्षेत्र में बर्फ और चट्टानों के बड़े हिस्से के ढहने के बाद अचानक आई विनाशकारी बाढ़ ने कई गांवों, सड़कों, पुलों और बिजली परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया. ताजा रिपोर्टों के अनुसार नेपाल और सीमा से लगे तिब्बत क्षेत्र में कम से कम 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं.

नेपाल के रसवा जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में सैलाब का सबसे ज्यादा असर देखा गया. उफनती नदियों ने कई बस्तियों को अपनी चपेट में ले लिया और सड़क व पुल बह जाने से अनेक क्षेत्रों का संपर्क टूट गया. नेपाल पुलिस और सेना के साथ राहत एवं बचाव दल लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं.बताया जा रहा है कि लापता लोगों में बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक और तीर्थयात्री भी शामिल हैं. भारत के भी कई नागरिकों के संपर्क से बाहर होने की खबर है. प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने और फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य जारी है. इससे नेपाल का जनजीवन अस्तव्यस्त है.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में जीवनसाथी, समझने वाला निःस्वार्थी मित्र तथा आदर्श मार्गदर्शक अगर मिल जाए तो किसी भी समस्या से आप विचलित कभी नहीं हो सकते हैं. लेकिन स्वार्थ के इस दौर में यह तीनों मिलना भी सबसे बड़े भाग्य की बात होती है. जिनके भाग्य में यह तीनों मिल जाते हैं, उनका नसीब स्वयं ही सुधर जाता है और वे जहां भी कदम रखते हैं, कामयाबी उनके कदम चूमती है. क्या आप भी ऐसे भाग्यशाली हैं, चिंतन करें.

प्रगति कल्पेकर केबीसी में ,जीते 5 लाख रूपए

विदर्भ स्वाभिमान,26 अगस्त

अमरावती- महाराष्ट्र शासन के सूचना एवं जनसंपर्क महासंचालनालय के अमरावती स्थित विभागीय सूचना कार्यालय में लिपिक-सह-टंकलेखक पद पर कार्यरत प्रगति दिनेश कल्पेकर ने अमरावती शहर तथा विभाग का नाम रोशन किया है. उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और स्पर्धा परीक्षा में की गई अथक मेहनत से सोनी टीवी के लोकप्रिय ज्ञान-आधारित कार्यक्रम कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में स्थान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की. उनकी शानदार सफलता का सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है. केबीसी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 लाख रुपए का पुरस्कार जीता.विभिन्न कठिन स्तरों और चयन प्रक्रियाओं को पार करने के बाद प्रगति ने महानायक अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठकर उनके सवालों के जवाब दिए और तीन राउंड पूरे किए. पढ़ने, अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का शौक रखने वाली प्रगति की इस उपलब्धि की सर्वत्र सराहना हो रही है. प्रारंभिक चयन में कठिन परीक्षाओं और कंप्यूटर आधारित रैंडम चयन के बाद केबीसी की टीम ने उनसे संपर्क किया. इसके बाद फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट चरण को पार कर उन्होंने हॉटसीट पर जगह बनाई.प्रगति के केबीसी एपिसोड 27 और 28 अगस्त को रात 9 बजे सोनी टीवी पर प्रसारित होंगे. अमरावतीवासियों से दोनों एपिसोड देखने का आग्रह किया गया है. उनकी कामयाबी पर सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है.

साल का आखिरी चंद्रग्रहण कल

नई दिल्ली- इस वर्ष का आखिरी चंद्रग्रहण 28 अगस्त 2026 को लगने वाला है. इसको लेकर विभिन्न राशियों पर भी असर पड़ने वाला है. यह साल का आखिरी चंद्र ग्रहण लगेगा. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इसका असर 6 राशियों पर पड़ सकता है. जानें किन राशियों को रहना होगा सतर्क और किन मामलों में बरतनी होगी सावधानी.

28 अगस्त 2026 को साल का दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है. यह ग्रहण खास इसलिए भी है क्योंकि यह सावन पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन के दिन पड़ेगा. खगोलीय गणना के अनुसार यह एक गहरा आंशिक चंद्र ग्रहण होगा. हालांकि भारत में दिन के समय होने के कारण यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, ग्रहण का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग तरह से पड़ सकता है और कुछ राशियों को इस दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है. **शेष पेज 7 पर**

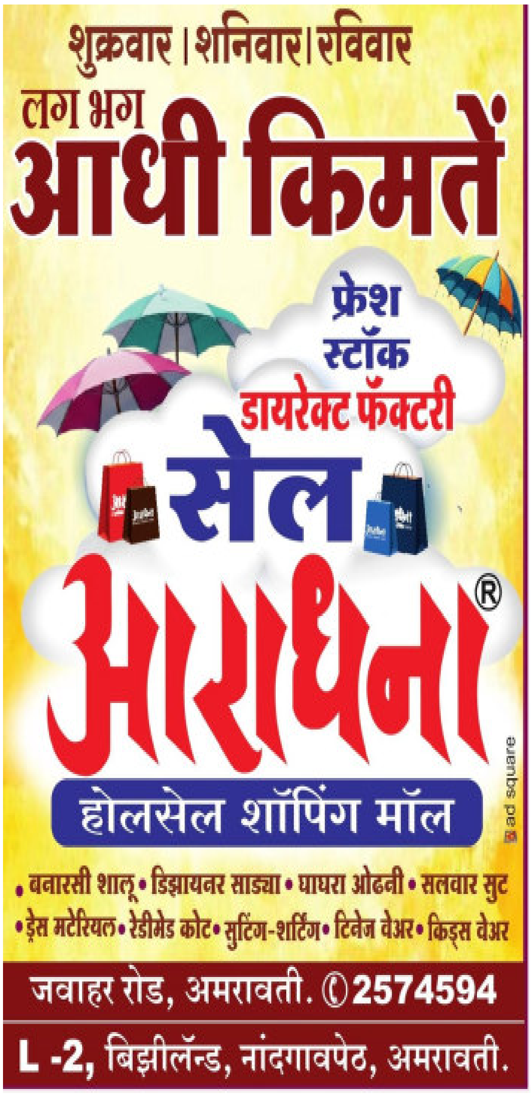

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

लाखों के खर्च के बाद बदहाल हैं मनपा बगीचे

शहर का यह सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य कि यहां पर लाखों रूपए खर्च कर बनाए गए मनपा के बगीचे बदहाल होकर लोगों को चिढ़ाने के साथ ही मनपा प्रशासन किस तरह लापरवाह है, इसका सबूत दे रहे हैं. लाखों के खर्च के बाद भी बद्हाल इन बगीचों के रख-रखाव पर लाखों खर्च हो रहा है. लेकिन कितने ऐसे बगीचे हैं, जहां खेलने के साथ ही लोग घूम सकें. शारदा नगर मनपा उद्यान, अंबाविहार का बगीचा और ऐसे ही कुछ बगीचों को छोड़ दिया जाए तो अन्य बगीचों की हालत दयनीय होकर शहर के दुर्भाग्य की कहानी कह रही है. सभी कमाने के पीछे लगे हैं, ऐसे में शहर की हरियाली के दुश्मन बन गए हैं.

कुछ वर्षों के दौरान लाखों रूपए खर्च कर हरियाली को बढ़ावा देने तथा शहरवासियों को प्रदूषण मुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए बनाए गए मनपा के अधिकांश बगीचे अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं. इससे जहां सरकारी निधि की बर्बादी हुई है, वहीं बच्चों के लिए खेलने तथा आम नागरिकों के लिए व्यायाम की सुविधा महरूम हो गई है. शहर में मनपा के रिकार्ड के मुताबिक वर्ष 2026 के रिकार्ड के मुताबिक मनपा द्वारा विकसित किए गए बगीचों की संख्या 15 के करीब है. इसमें अधिकांश बगीचों की हरियाली गायब है लेकिन शारदा नगर उद्यान के साथ ही कुछ ही बगीचे अभी भी अच्छी स्थिति में हैं. शहरवासियों को स्वच्छ और हरित वातावरण देने के उद्देश्य से विकसित किए गए अमरावती महानगरपालिका के कई सार्वजनिक उद्यान आज बदहाली का शिकार हैं. कहीं सूखी घास और टूटे झूले दिखाई देते हैं तो कहीं सफाई और रखरखाव के अभाव में बगीचों की सुंदरता गायब होकर शहरवासियों द्वारा इनकी बदहाली के लिए मनपा प्रशासन को कोसा जाता है.

सुबह-शाम टहलने, व्यायाम करने और बच्चों के मनोरंजन के लिए बनाए गए इन उद्यानों में मूलभूत सुविधाएं गायब हैं. स्वच्छ अमरावती, सुंदर अमरावती की कल्पना केवल पोस्टरों तक ही कायम है. गर्ल्स हाईस्कूल, राजकमल चौक के फव्वारे जहां बंद हैं, वहीं कई बगीचों में बैठने की बेंच क्षतिग्रस्त हैं और बच्चों के खेल उपकरण भी मरम्मत की राह देख रहे हैं. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मनपा द्वारा लाखों रूपये खर्च कर विकसित किए गए बगीचों की नियमित देखरेख नहीं होने से उनकी स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है. शहर के अधिकांश बगीचे भले ही बदहाल हैं लेकिन उनके रख-रखाव के नाम पर लाखों रूपए का खर्च बताया जाता है. ऐसे में सवाल पैदा होता है कि आखिर यह राशि कहां जा रही है. पर्यावरण प्रेमी भी इसको लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं.सवाल यह है कि पूर्व पालकमंत्री डॉ.सुनील देशमुख जैसा नेतृत्व क्यों नहीं मिल रहा है, भ्रष्टाचार सदा चलता रहा है चलता रहेगा लेकिन अच्छा भी तो हो सकता है. केवल इच्छाशक्ति की जरूरत है, जो किसी में नहीं दिखाई देती है.

प्रशासन की लापरवाही से कब तक मौतें होगी

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

क़्या गरीब की जिंदगी की कोई कीमत नहीं होती है. यह सवाल होने वाले हादसे और गरीबों की होने वाली मौत को लेकर पैदा होता है. जिनके भरोसे सत्ता मिलती है, जिनके कारण कोई नगर सेवक, विधायक, सांसद बनता है, मंत्री और प्रधानमंत्री बनता है, क्या उन्हें कोई महत्व नहीं है. डफरीन का अग्निकांड और इसमें जलने के पहले ही बुझ गए तीन नवजातों की मौत के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाए. मरना तय रहने के बाद भी भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे प्रशासन को अथवा उन नेताओं को जो विकास निधि लाते ही इसलिए हैं ताकि अधिकाधिक कमीशन प्राप्त किया जा सके. इससे घटिया गुणवत्ता और उससे होने वाले हादसे में मरने वाला केवल गरीब होता है. हादसा होते ही प्रशासन जागता है. अधिकारियों की बैठकें होती हैं, जांच के आदेश दिए जाते हैं, सुरक्षा के दावे किए जाते हैं और कुछ दिनों तक कार्रवाई का शोर भी सुनाई देता है. लेकिन जैसे-जैसे घटना की चर्चा कम होती है, वैसे-वैसे प्रशासन की सतर्कता भी ठंडी पड़ जाती है. नतीजा कुछ समय बाद वही लापरवाही, वही अव्यवस्था और फिर किसी नए हादसे का इंतजार.लोगों की मौत उनका परिवार कभी नहीं भूलता है लेकिन प्रशासन और व्यवस्था कुछ दिन कड़ाई कर भूल जाती है.

डफरिन अस्पताल की घटना ने एक बार फिर इसी कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं. तीन नवजातों की मौत के बाद उच्चस्तरीय जांच शुरू हो गई है. सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है. लेकिन सवाल यह है कि क्या हादसे से पहले यही सतर्कता दिखाई गई थी? यदि नियमित निरीक्षण और सुरक्षा मानकों का ईमानदारी से पालन किया गया होता, तो शायद कई खामियां पहले ही सामने आ जातीं.मरने के बाद कुछ नहीं जाता है तो भी हमारी लापरवाही से कईयों की मौत के बाद भी हमें शर्म क्यों नहीं आती है, यह चिंतन का विषय है. हमारे यहां अक्सर व्यवस्था का तरीका यही रहा है पहले हादसा, फिर हंगामा और उसके बाद जांच. हादसे के बाद कछ दिनों तक संबंधित विभाग सक्रिय दिखाई देते हैं. स्कूल बसों की जांच हो या अस्पतालों की सुरक्षा, सड़कों के गड्ढे हों या जर्जर इमारतें हर जगह कार्रवाई की घोषणा सुनाई देती है. लेकिन स्थायी सुधार कितने हुए, इसका हिसाब शायद ही कभी सामने आता है.सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिम्मेदारी तय करने के बजाय कई बार पूरा मामला जांच और आश्वासनों के बीच उलझ जाता है. रिपोर्ट आती है, सुझाव दिए जाते हैं और फिर फाइलें सरकारी दफ्तरों की अलमारियों में चली जाती हैं. अगला हादसा होने तक पुरानी रिपोर्ट भी शायद याद नहीं रहती.सतर्कता का सांप जाने के बाद लाठी पीटना नहीं बल्कि हादसा होने से पहले खतरे को पहचानना और उसे दूर करना है.अस्पताल में अग्निसुरक्षा उपकरण चालू हैं या नहीं, स्कूल बस सुरक्षित है या नहीं, सड़क पर गड्ढे हैं या नहीं, इमारत की हालत कैसी है इनकी नियमित निगरानी होनी चाहिए.जनता को ऐसी व्यवस्था नहीं चाहिए जो हादसे के बाद अपनी सक्रियता साबित करे. जरूरत ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था की है जो हादसे से पहले जागती रहे.क्योंकि हर बार यह कहना कि अब ऐसी घटना दोबारा नहीं होगी पर्याप्त नहीं है. सवाल यह है कि अगली दुर्घटना रोकने के लिए आज क्या किया जा रहा है? भंडारा के अस्पताल में आग के बाद हर अस्पताल का फायर ऑडिट अनिवार्य किया गया था, उसका पालन क्यों नहीं हुआ. डफरीन में वाशिंग मशीन जलने के बाद भी प्रबंधन क्यों धृतराष्ट्र बना रहा. अमरावती का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि भ्रष्टाचार ने पूरे शहर और जिले का कबाड़ा किया है. आखिर कब तक प्रशासन की नाकामी की बलि गरीब चढ़ते रहेंगे, यह महत्वपूर्ण सवाल है. इस पर चिंतन करना जरूरी है.

भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व है रक्षाबंधन

सनातन धर्म में भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार हर साल श्रावण (सावन) मास की पूर्णिमा तिथि को बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, अच्छी सेहत और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधती हैं, और भाई अपनी बहनों की आजीवन रक्षा करने का वचन देते हैं. वर्ष 2026 में रक्षाबंधन पर एक विशेष खगोलीय घटना भी घटित हो रही है, जिससे इस पर्व का महत्व और बढ़ जाता है. आइए विस्तार से समझते हैं रक्षाबंधन की सही तिथि, राखी बांधने का सबसे उत्तम मुहूर्त, राहुकाल और संपूर्ण पूजा विधि. द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल रक्षाबंधन 28 अगस्त शुक्रवार को मनाया जाएगा. रक्षाबंधन के दिन ही साल का दूसरा और अंतिम चंद्रग्रहण भी लग रहा है.ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, यह चंद्र ग्रहण भारत में दृश्यमान नहीं होगा. भारत में दिखाई न देने के कारण इसका सूतक काल और धार्मिक नियम मान्य नहीं होंगे. इसलिए श्रद्धालओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है.चंद्र ग्रहण की वजह से रक्षाबंधन का त्योहार मनाने में कोई अड़चन या बाधा नहीं आएगी.

द्रिक पंचांग के अनुसार, श्रावण पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त 2026 को सुबह 09 बजकर 08 मिनट से प्रारंभ होगा और 28 अगस्त 2026 को सुबह 09 बजकर 48 मिनट पर समाप्त होगी.

शास्त्रानुसार उदया तिथि में ही रक्षाबंधन मनाना श्रेष्ठ माना जाता है.राखी बांधने का उत्तम मुहूर्त: 28 अगस्त को सुबह 05:57 बजे से सुबह 09:48 बजे तक रहेगा.

शुभ मुहूर्त की कुल अवधि: 3 घंटे 51 मिनट.

ज्योतिष शास्त्र में भद्राकाल और राहुकाल को अशुभ समय माना गया है. मान्यता है कि भद्रा और राहुकाल के दौरान कोई भी मांगलिक या शुभ कार्य करने से बचना चाहिए. इस बार रक्षाबंधन के दिन भद्रा काल सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगा. इसलिए 28 अगस्त को दिनभर भद्रा का कोई अशुभ प्रभाव नहीं रहेगा.लेकिन, 28 अगस्त को सुबह 10 बजकर 46 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 22 मिनट तक राहुकाल रहेगा. यद्यपि पूर्णिमा तिथि सुबह 09:48 बजे ही समाप्त हो रही है, फिर भी यदि आप दिन में किसी समय राखी बांध रहे हैं तो इस राहुकाल की अवधि में राखी बांधने से बचें.रक्षाबंधन के दिन प्रातः काल उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें. इसके बाद पूजा की थाली तैयार करें. जिसमें कुमकुम या रोली, अक्षत (बिना टूटे हुए चावल), आरती के लिए जलता हुआ दीपक, ताजे फूल, शुद्ध मिठाई, रक्षा सूत्र यानी राखी,यह भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व है.

राखी बांधने की विधि

सबसे पहले भगवान श्री गणेश और अपने इष्टदेव को राखी अर्पित करें.-भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुंह करके बैठाएं. बहन का मुंह पश्चिम या दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए. बहन अपने भाई के माथे पर रोली-कुमकुम का तिलक लगाए और उस पर अक्षत (चावल) लगाए.इसके बाद भाई की दाहिनी कलाई पर मंत्र का उच्चारण करते हुए प्रेमपूर्वक राखी बांधें.राखी बांधने के बाद दीपक से भाई की आरती उतारें, उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना करें और उन्हें मिठाई खिलाएं.भाई अपनी बहन के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लें और उन्हें उपहार स्वरूप भेंट देकर उनकी रक्षा का संकल्प लें.शास्त्रों में विधान है कि जब बहन भाई को रक्षा सूत्र बांधे, तो इस मंत्र का उच्चारण अवश्य करना चाहिए. यह मंत्र रक्षा सूत्र के प्रभाव और संकल्प को और अधिक मजबूत बनाता है.

'येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलः।

तेन त्वां प्रतिबध्नामि, रक्षे मा चल मा चलः?

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

आधुनिकतम जांच सुविधाओं से लैस है जीआरडीसी,रजत महोत्सव पर जनसेवा में आधुनिकतम मशीनें आयी

दो अत्याधुनिक मशीनों का लोकार्पण 30 को

देश में पहला सैमसंग आर-२० सोनोग्राफी व कलर डॉप्लर,पहला एक्स्ट्रोमैम एक्सिस डिजिटल मैमोग्राफी मॉडल अमरावती में

विदर्भ स्वाभिमान, 26 अगस्त

अमरावती- गर्भ में नवजात बच्चे के दिल के छेद की जांच हो अथवा कैंसर के किसी भी स्टेज की जांच की बात हो, विश्वस्तरीय जांच सुविधाओं से लैस घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर विश्वस्तरीय जांच सुविधाओं का केन्द्र बना है. यहां पर उपलब्ध कई मशीनें तो पहली बार भारत में सबसे पहले यहां आयी हैं. केन्द्र की स्वास्थ्य सेवा और आधुनिक निदान के क्षेत्र में 25 वर्षों से सेवा को मरीजों का अपार विश्वास मिला है, इससे यहां पर आधुनिकतम दो नई और वैद्यकीय जांच के क्षेत्र में क्रांति साबित होने वाली मशीनें पहुंची हैं, इनका लोकार्पण 30 अगस्त को हो रहा है.

राजकमल चौक से चंद कदमों की दूरी पर स्थित घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर ने रजत महोत्सवी वर्ष में दो अत्याधुनिक मशीनों का लोकार्पण कर अमरावती की जांच सुविधाओं को नई ऊंचाई दी है. इनमें सैमसंग आर-20 सोनोग्राफी व कलर डॉप्लर तथा एक्स्ट्रोमैम एक्सिस डिजिटल एक्स-रे मैमोग्राफी शामिल हैं. अनगिनत जांच सुविधाओं से लैस यह दोनों ही मशीनें मध्य भारत में क्रांति करने की क्षमता रखती हैं.

दक्षिण कोरिया से आयातित सैमसंग आर-20 को सेंटर ने मध्य भारत में अपनी तरह का पहला उपकरण बताया है. एआई आधारित यह तकनीक अधिक स्पष्ट इमेज, स्वचालित माप और सूक्ष्म विकृतियों की पहचान में सहायक होगी. इससे पेट, प्रसूति एवं स्त्रीरोग, लिवर, स्तन, थायरॉयड, रक्तवाहिनियों, ह्रदय, मांसपेशियों और जोड़ों की जांच की जा सकेगी.

भारत में निर्मित एक्स्ट्रोमैम एक्सिस डिजिटल एक्स-रे मैमोग्राफी को सेंटर ने देश में अपनी तरह का पहला मॉडल बताया है. कम विकिरण, तेज जांच और उच्च गुणवत्ता वाली इमेजिंग के कारण यह स्तन में होने वाली सूक्ष्म विकृतियों का शुरूआती चरण में पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.स्तन कैंसर के शीघ्र और अचूक निदान के लिए डिजिटल मैमोग्राफी, सोनो-मैमोग्राफी और शीयर वेव सोनोइलास्टोग्राफी का समन्वित उपयोग किया जाएगा. आवश्यकता पड़ने पर 1.5 टेस्ला एमआरआई के माध्यम से एमआर मैमोग्राफी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी.विश्वस्तरीय मशीनों से लैस इस सेंटर ने पिछले वर्ष देश का पहला सीमेंस सोमाटोम गो-अप 192 स्लाइस सीटी स्कैन और फुजीफिल्म एफडीआर स्मार्ट एक्स डिजिटल एक्स-रे भी शुरू किया था. आधुनिकतम जांच तकनीकों के विस्तार के साथ सेंटर का उद्देश्य मरीजों को अधिक तेज, विश्वसनीय और सटीक निदान सुविधाएं उपलब्ध कराना है.

संचालक तथा सेवाभावी कामों में अग्रणी रहने वाले डॉ. पंकज घुंडियाल गरीब मरीजों की सेवा में भी आगे हैं. सेवाभावी व्यक्तित्व रहने से केन्द्र में सुबह 8 से 10 बजे तक गरीब मरीजों की जांच रियायती दरों में की जाती है. वे कहते हैं कि पिता का आशिर्वाद और गरीब मरीजों की दुवाओं ने उन्हें यह कामयाबी दी है. आधुनिकतम दोनों मशीनों की सेवा शुरू होने के बाद कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी, महिलाओं के ब्रेस्ट कैंसर के साथ ही नवजात की स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का पता समय रहते गर्भ में चलने से लाखों का जीवन सुकर होने में मदद मिलेगी. लोकार्पण मौके पर सभी से उपस्थित रहकर आशिर्वाद देने का आग्रह भी जीआरडीसी प्रमुख के साथ सभी सहयोगियों ने किया है.

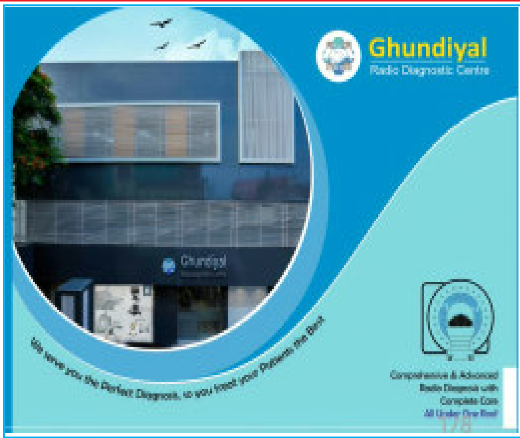

अमरावती के राष्ट्रीय स्तर पर सुविधाओं से युक्त घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर के प्रमुख डॉ.पंकज घुंडियाल के साथ मरीजों की जांच सेवा में सदैव समर्पित होकर काम करने वाली जीआरडीसी टीम के सेवा समर्पित कर्मचारी

नैतिकता और दुआओं का असर-डॉ.पंकज घुंडियाल

अमरावती शहर से अत्याधिक लगाव रखने वाले और जनता की वैद्यकीय सेवा के लिए बेहतरीन पैकेज छोड़कर यहां सेवा देने वाले डॉ.पंकज घुंडियाल का कहना है कि नेक नीयत, सच्ची नैतिकता और गरीबों की दुआएं मिलने पर जीवन में कुछ भी असंभव नहीं होता है, इसका अनुभव स्वयं उन्होंने किया है. इसके सहारे जीवन में सफलता और सम्मान स्वयं कदम चूमते हैं.इसी के आधार पर जीआरडीसी ने 25 वर्षों तक शहरवासियों की सेवा की है. उनका कहना है कि नैतिकता वह अनमोल शक्ति है, जो इंसान को महान बनाती है और गरीबों की सच्चे दिल से निकली दुआएं वह आशीर्वाद हैं, जिनका असर जीवन में जरूर दिखाई देता है. धन, पद और प्रतिष्ठा क्षणिक हो सकते हैं, लेकिन ईमानदारी, संवेदनशीलता

अमरावती शहरवासियों के प्रेम, विश्वास का रहूंगा सदैव ऋणी

विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस मध्य भारत का केन्द्र है जीआरडीसी

और जरूरतमंदों के प्रति किया गया नेक व्यवहार हमेशा व्यक्ति की पहचान बनता है.जब कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की मदद करता है, तो उनके दिल से निकलने वाली दुआएं उसके जीवन का सबसे बड़ा धन बन जाती हैं. इन दुआओं में न कोई दिखावा होता है और न कोई अपेक्षा. यही सच्ची दुआएं कठिन समय में संबल बनती हैं और जीवन की राह को रोशन करती हैं. आज स्वास्थ्य जांच के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं, कई विश्वस्तरीय मशीनों को भारत में पहली बार अमरावती में लाने जैसा कदम शायद इन्हीं दुआओं का असर होने की बात उन्होंने कही. नैतिकता का मार्ग भले ही कठिन हो, लेकिन उसका फल हमेशा सम्मान, विश्वास और आत्मसंतोष के रूप में मिलता है. इसलिए कहा जाता है कि इंसान की असली कमाई उसकी संपत्ति नहीं, बल्कि उसके अच्छे कर्म और लोगों के दिलों से निकली दुआएं होती हैं. शहरवासियों के प्रेम के साथ डाक्टरों के सहयोग के लिए भी उन्होंने कृतज्ञता जताई और सदा सेवा में तत्पर रहने की बात कही.

हरि अपनी देह को भूल कर सो गए

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी-वक्षस्थल पर रखेंगे समझकर विश्वास करके आया. इस रूप में रमा के साथ हरि के द्वारा किये गए इस धोखे को देखा. मेरे नेत्र ठंडे पड़ गए. अपने गुस्से को मैं कैसे उताहै.' इस रूप में गस्सा बढ़ने से चंद्र हरि के नेत्रों में शीत किरणों को फैला कर दो प्रहरों तक इसी रूप में सुध-बुध खोकर सोते रहो है साला!' कहते हरि को हिमकिरण चंद्र ने शाय दिया. तब हरि अपनी देह को भूल कर सो गए. फूलों की शय्या पर अपने विश्व तेजस को भी भूलकर, अखंड तूर्य आनंद से हरि नींद में मानवातीत सुख को प्राप्त करते रहे. इधर लक्ष्मी को नींद नहीं आयी. उसे इस रूप में देख कर चंद्र को महा चिंता हुई. अपनी बहन को दुःखी देखकर चंद्र शुष्क पड़ गया. शुक्ल सप्तमी के दिन के चंद्र की तरह होकर मोम ने सोचा. 'रमा सति को यहाँ पर प्रेम के साथ सहलाकर अपने वक्ष पर रखने की जगह दयाहीन बनकर आकाशराज की पुत्री के साथ विवाह करने के लिए हरि ने क्यों सोचा है? ये ब्रह्मादि देवताओं ने विष्णु से क्यों नहीं कहा कि इंदिरा के साथ ही रहो. यह विवाह क्यों कर रहे हो? ऐसा कहने की बजाए ये सब स्वयं विवाह के बिछीले बनकर विवाह करने आये हैं. इसलिए इनको वन में अंधेरे को ढकेल कर जाऊँगा! इस रूप में सोचते चंद्र पश्चिम की तरफ जाने लगा.

अपने विभ का इस रूप में रूठ कर जाना देखकर सारे ताराएँ दीन वन गए. क्रम से चंद्र का ही अनुसरण उन्होंने किया. कुमुद भी अपने आप्त को दुःखी देखकर मुकलित होकर आर्ति बने. कुमुद भी असमय इस रूप में अपने नेत्रों को बंद करने लगे. तब चंद्र अस्त हो गया. अब सूर्य एक प्रहर के बाद ही शीघ्र ही आएगा. उसके आने के पहले ही ब्रह्मादि को एक बार देखना चाहिए. इस रूप में सोचते चंद्र ने काली साड़ी पहनकर मानो आये हो ऐसा पहाड़ पर अंधेरा छा गया. उस अंधेरे को देखकर शेष अपने फणों को उठाकर 'हरि, हर, ब्रह्मादि के यहाँ होते इस रूप में अंधेरे का यहाँ पर होना उचित नहीं है. सोच कर अपने फण रूपी मणियों से महाप्रकाश करवाकर मानो दिन हो गया हो, ऐसा ज्योतिर्लताएँ दिखा दी. हेमाद्रि के इस पार रहने वाले इस घने अंधेरे को पकड़कर हटाऊँगा.' इस रूप में गुस्से से नये रूप में शेष वहाँ पर आये. सूर्य के पूरब की तरफ आते देख कर तब अंधेरा अधिक घना बनने का डर उसे हुआ. जलरूह संभवों को संतोष प्रदान करने के लिए शेष ने वेंकटाचल को दीप्त किया. तब चंद्र अब सप्त तुरगाधीश सूर्य आयेगा. अगर मैं यहीं रहूँगा तो मुझे वह मारेगा. इस रूप में मन में सोचते हुए चंद्र हेमाद्रि से हट कर चला गया.

हरि को जगा कर मानो विवाह करने भेजने के लिए शुभ्र वस्त्र पहन कर धरती पर प्राक्दिशा नेत्री भक्ति से आ गया हो, ऐसा तब पूरव में सूर्योदय हो गया. हल्दी और चूने को सोने की थाली में मिला कर वेंकटेश्वर की आरती उतारने छाया नामक एक स्त्री आयी है. ऐसा मानो पूरब में अरुणोदय हो गया हो. बड़ी इच्छा से हरि के विवाह में जाना है ऐसा सोचते शीघ्र ही उदयाचल पर चढ़कर दिवाकर वेंकटेश्वर के पास आ गया. चंद्र किरणों के कारण मुकलित पद्म सूर्य किरणों के स्पर्श से विकसित हुए, ऐसा विष्णु जाग गए. नेत्र खोल कर विनोदी बनते हुए कमलमुखी को देखकर, संतोष के साथ उठ कर 'वहाँ ब्रह्मादि के द्वा यात्रा के लिए तैयार होने की बातें' सुनकर हरि ने ऐसा ही किया. अप महा मित्र के आते शत्रु

चंद्र के रूठ कर जाने के बारे में जान कर गये हो, मानो ऐसा नलिन समिति तब संतोष के साथ विकसित लगी. रात के समय सरसिजों के अंदर बंद भ्रमर शीघ्र कमलों को बुला रहे हो. ऐसा पक्षिगण कलरव करने लगे थे. कर शंकार ध्वनि करते निकल कर भागने लगे. पक्षिगण कल-कल ध्यनि करते मानो हरि के विवाह में आने का निमंत्रण देते देवताओं को वृक्ष, लतादि अपने निजी पीत वर्ण को बढ़ाने सारे जगत में अपनी किरणों को ओढाते आनेवाले दिवाकर को देखकर जाग उठे. तब वेदांतीवेत्ता आचार्य, तापसियों, हरि, शिव आदि ने प्रसिद्ध पुष्करिणी के तट पर यथाक्रम से खान, आर्घ्य, नित्य कर्मादि को सावधानी से पूरा गीत गाते सारे लोग निकल पड़े.

शेष अगले अंक में

सेवाभावी,कर्मठ और हरदिल अजीज व्यक्तित्व हैं प्रदीप जैन

बडनेरा निवासी तथा आनंद परिवार के सदस्य प्रदीप जैन धार्मिक, सेवाभावी और मित्रता के प्रति पूर्ण समर्पित व्यक्तित्व हैं.धार्मिक संस्कारों से ओतप्रोत प्रदीप जैन का जीवन भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा देता है. धर्म के प्रति उनकी गहरी आस्था केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उनके व्यवहार और सेवा कार्यों में भी दिखाई देती है. जरूरतमंदों की सहायता करना, सामाजिक कार्यों में सहभागिता निभाना और सभी के प्रति आत्मीयता का भाव रखना उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है.ग़ोविंद कासट मित्र मंडल के माध्यम से सेवाभाव के साथ ही आदर्श संस्कार उन्हें अलग महत्व प्रदान करते हैं. मित्र मंडल में उन्हें सुदर्शन गांगजी के लक्ष्मण के रूप में सभी जानते हैं.

प्रदीप जैन एक सच्चे और समर्पित मित्र के रूप में भी जाने जाते हैं. सुख-दुख में मित्रों के साथ खड़े रहना, उनके प्रति अपनापन बनाए रखना और हर परिस्थिति में सहयोग का हाथ बढ़ाना उनकी खूबी है. उनके व्यवहार में

भावना मित्रता को और अधिक मजबूत बनाती है.

आज के स्वार्थपूर्ण दौर में निस्वार्थ सेवा, धार्मिक आस्था और सच्ची मित्रता का संगम किसी प्रेरणा से कम नहीं है. प्रदीप जैन अपने जीवन मूल्यों के माध्यम से समाज को यही संदेश देते हैं कि धर्म का वास्तविक स्वरूप मानव सेवा, मित्रता का आधार विश्वास और जीवन की सफलता का मार्ग समर्पण से होकर गुजरता है.निस्संदेह प्रदीप जैन का व्यक्तित्व धार्मिक आस्था, सेवाभाव और सच्ची मित्रता की त्रिवेणी है. उनका जीवन और कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं. जैन ऐसे व्यक्ति हैं, जहां जाते हैं, सेवाभावी,कर्मठता के चलते लोगों के दिलों में जगह बना लेते हैं. उनके 26 अगस्त को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान अखबार तथा आनंद परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. उनका स्वभाव जहां शांत, निर्मल है, वहीं व्यवसाय के लिए जरूरी पारखी नजर की सराहना सभी करते हैं. वे ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिनकी पहचान केवल उनके कार्यों से नहीं, बल्कि उनके संस्कार, व्यवहार और सेवा भावना से बनती है.ज़ैन धर्म के धार्मिक संस्कारों से ओतप्रोत प्रदीप जैन का जीवन भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा देता है.व्यवसाय में कर्मठता, रिश्तों में अपनापन, मानवता की सेवा को जीवन का लक्ष्य बनाने वाले प्रदीप जैन यारों के दिलदार यार हैं. मानवता की सेवा को प्रभु सेवा मानते हुए सदा यथासंभव सेवा में स्वयं को व्यस्त रखते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

विदर्भ स्वाभिमान

रूपए 100 से रूपए 1 लाख तक,आखिर हमारी कमाई कितनी बढ़ी और जिंदगी कितनी महंगी हुई?

विशेष लेख- पुखराज राजपुरोहित

महंगाई कल, आज और कल

महंगाई डायन खाय जात है तो हम अक्सर सुनते हैं. लेकिन महंगाई पर विश्लेषणात्म यह लेख निश्चित ही महंगाई के कारण, बढ़ते खर्च के साथ ही बचतन की आदत कम होने से बढ़ते तनाव को भी बताने में काफी है. 1990 में 100 रूपए की क्या कीमत थी, थैला भर सामान आता था, आज इसकी क्या कीमतम है, इसके कारण के साथ ही भविष्य कैसा होगा, इसे सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया है. निश्चित ही बढ़ती सुविधाएं, बढ़ती स्पर्धा भी इसके लिए जिम्मेदार है. यह दो किश्तों में प्रस्तुत कर रहे हैं.

कभी हमारे घरों में एक वाक्य बहुत आम था, हमारे जमाने में इतने रूपये में इतना सब आ जाता था.और आज की पीढ़ी अक्सर जवाब देती है,तब कमाई भी तो इतनी नहीं थी!दोनों अपनी-अपनी जगह सही हैं.लेकिन असली सवाल इन दोनों के बीच कहीं छिपा हुआ है.1990 में एक आम भारतीय कितना कमाता था?आज कितना कमाता है?उसकी जरूरतों और खर्चों में कितना बदलाव आया है? और अगर आज का पैसा इसी रफ्तार से कमजोर होता रहा, तो 10, 20 या 30 साल बाद हमारी आने वाली पीढ़ी की स्थिति क्या होगी? यही सवाल हमें आज खुद से पूछना चाहिए.क्योंकि महंगाई का मतलब केवल यह नहीं है कि दूध 6 से 160 हो गया.

महंगाई का असली मतलब है

हमारे पैसे की ताकत कितनी कम हुई और उस पैसे को कमाने में हमारी जिंदगी का कितना समय लग रहा है.1990 में भारत कितना कमाता था? 1990-91 में भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय लगभग 6,126 सालाना थी. यानी औसतन करीब 510 प्रति माह.आज यह आंकड़ा सुनकर शायद विश्वास न हो. लेकिन 2024-25 में भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय 1,92,774 सालाना, यानी करीब 16,065 प्रति माह हो चुकी है. पहली नजर में देखें तो तस्वीर बहुत शानदार दिखाई देती है.510 महीने से 16,000 महीने! यानी आमदनी लगभग 31 गुना बढ़ गई. लेकिन यहीं हमें रुकना होगा.क्योंकि 510 और 16,000 की तुलना सीधे करना वैसा ही है जैसे 1990 की कार और आज की कार की कीमत देखकर कहना कि आज की कार बहुत महंगी है.सवाल यह है कि उन पैसों से खरीदा क्या जा सकता था?

पैसा 31 गुना बढ़ा, लेकिन उसकी ताकत?

भारत के महंगाई के इंडेक्स के लंबे आंकड़ों के अनुसार 1990 में सीपीआई करीब 22.9 था और 2025 में यह 233.1 हो गया. यानी सामान्य कीमतों का स्तर लगभग 10 गुना बढ़ा.इसका सीधा अर्थ है.1990 के 100 की सामान्य क्रय शक्ती आज लगभग रूपए 1,000 के आसपास बैठती है.2026 की वर्तमान महंगाई को देखते हुए इसे थोड़ा ऊपर मान सकते हैं.तो 1990 से आज तक सिर्फ यह कहना कि पैसा 31 गुना हो गया पूरी कहानी नहीं है.महत्वपूर्ण बात यह है कि कीमतें भी करीब 10 गुना बढ़ी हैं.यानी राष्ट्रीय औसत प्रति व्यक्ति आय में हुई वास्तविक बढ़ोतरी नाममात्र आंकड़े से बहुत कम है.एक मोटे हिसाब से देखें तो 1990 के मकाबले आज भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय करीब तीन गुना के आसपास पहुंची है.

यह उपलब्धि छोटी नहीं है

भारत ने वास्तव में बहुत प्रगति की है.लेकिन.क्या हर भारतीय की जिंदगी भी तीन गुना बेहतर हुई है?यहीं से कहानी कठिन हो जाती है.क्योंकि देश की औसत आय आपकी जेब नहीं है,यह बात बहुत महत्वपूर्ण है.जब सरकार कहती है कि प्रति व्यक्ति आय रू.1.92 लाख सालाना हो गई, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हर भारतीय को 16,000 महीना मिल रहा है.यह पूरे देश की आय को आबादी से भाग देकर निकाला गया औसत है.किसी की आय लाखों में हो सकती है.किसी की कुछ हजार.किसी की नियमित नौकरी है.कोई दिहाड़ी मजदूर है.कोई किसान है.कोई छोटा दुकानदार है.कोई अपना व्यवसाय करता है.इसलिए देश अमीर हो सकता है, लेकिन हर परिवार अमीर हो यह जरूरी नहीं.और यहीं प्रति व्यक्ति आय और मेरी जेब की आय में अंतर समझना जरूरी है.

आज एक परिवार का खर्च कितना है?

सरकार के हाऊसहोल्ड कंस्पशन एक्सपेंडीचर सर्वे 2023-24 के अनुसार भारत में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग खर्च ग्रामीण क्षेत्र में करीब 4,122 और शहरी क्षेत्र में करीब 6,996 था.महाराष्ट्र में यही आंकड़ा ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 4,145 और शहरी क्षेत्र में करीब 7,363 था.अगर सिर्फ उदाहरण के लिए चार लोगों का परिवार लें, तो महाराष्ट्र में औसत उपभोग खर्च लगभग ग्रामीण परिवार: 16,580 महीना,शहरी परिवार 29,452 महीना बैठता है.ध्यान रहे यह परिवार की आय नहीं है.यह केवल औसत उपभोग खर्च का आंकड़ा है.

इसमें हर परिवार की वास्तविक जिंदगी, बचत, कर्ज, निवेश और बड़े अचानक आने वाले खर्च पूरी तरह शामिल नहीं होते. फिर भी यह आंकड़ा हमें एक बात जरूर बताता है,आज परिवार चलाने के लिए पैसा सिर्फ खाना खरीदने में नहीं जाता.पहले जरूरतें कम थीं या पैसे ज्यादा थे? शायद दोनों.

1990 में परिवार की जरूरतों की

सूची आज से काफी छोटी थी.आज एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार के बजट में क्या-क्या आता है?घर का किराया या ईएमआई, बिजली, मोबाइल,इंटरनेट,दो-पहिया या कार,पेट्रोल,बच्चों की स्कूल फीस,ट्यूशन,कोचिंग,स्वास्थ्य,दवाइयां, बीमा,अन्य खर्च,मोबाइल फोन,यात्रा, शादी-ब्याह, और भविष्य के लिए निवेश,इनमें से कई चीजें 1990 में या तो थीं ही नहीं, या आज जैसी जरूरी नहीं मानी जाती थीं.इसलिए आज का आदमी सिर्फ महंगाई से नहीं लड़ रहा.वह बढ़ती हुई जरूरतों से भी लड़ रहा है.

आज की सबसे बड़ी चिंता क्या है?

आज का मध्यमवर्गीय परिवार केवल आज का खर्च नहीं सोचता.उसे कल की भी चिंता है.बच्चे की पढ़ाई के लिए कितना पैसा चाहिए?कॉलेज की फीस कितनी होगी?बच्चे की कोचिंग का खर्च कितना होगा?अपना घर कब लेना है?रिटायरमेंट के बाद कितने साल पैसा चलाना होगा?अगर बीमारी आ गई तो?अगर नौकरी चली गई तो?अगर व्यवसाय बंद हो गया तो?अगर 60 साल की उम्र में कमाने की क्षमता कम हो गई तो? 1990 में भी ये समस्याएं थीं.लेकिन आज इनकी आर्थिक कीमत बहुत बड़ी हो गई है.और यही कारण है कि आज अच्छी कमाई करने वाला व्यक्ति भी कई बार खुद को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करता.

आज रूपए 1 लाख की सबसे बड़ी समस्या क्या है?

मान लीजिए आज आपके पास 1 लाख हैं.आज वह 1 लाख है.अब मान लीजिए महंगाई औसतन 5 प्रतिशत सालाना रहती है.तो लगभग 10 साल बाद उसी चीजों को खरीदने के लिए करीब ?1.63 लाख चाहिए होंगे.20 साल बाद करीब ?2.65 लाख.30 साल बाद करीब ?4.32 लाख.यानी आज के 1 लाख की परचेसिंग पावर 20 साल बाद लगभग 38,000 के बराबर रह सकती है, अगर औसत महंगाई 5 फीसदी रही.30 साल बाद यही परचेसिंग पावर करीब 23,000 के आसपास रह सकती है.यह कोई भविष्यवाणी नहीं है.यह सिर्फ गणित है.अगर महंगाई 4 फीसदी रही तो तस्वीर थोड़ी बेहतर होगी.अगर 6 फीसदी रही तो तस्वीर और कठिन होगी.इसीलिए आज के 1 लाख को देखकर यह मत सोचिए कि मेरे पास 1 लाख हैं. सवाल यह पूछिए-20 साल बाद इन 1 लाख से मैं क्या खरीद पाऊंगा?

यही है असली महंगाई

महंगाई का सबसे खतरनाक हिस्सा वह नहीं है जो हमें बाजार में दिखाई देता है.सबसे खतरनाक हिस्सा वह है जो हमें भविष्य में दिखाई नहीं देता. आज बच्चा छोटा है.आज स्कूल की फीस मैनेजेबल है.लेकिन दस साल बाद आज 5 लाख का इलाज महंगा लगता है.

शक्कर की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं

गन्ने का कम उत्पादन और इसकी बीमारी भी है वजह, थोड़ी राहत

विदर्भ स्वाभिमान, 26 अगस्त

दिल्ली/अमरावती-देश में चीनी की बढ़ती कीमतों के पीछे गन्ने का घटता उत्पादन और गन्ने में फैल रही खतरनाक रेड रॉट बीमारी को प्रमुख कारण माना जा रहा है. केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि गन्ने की फसल में रेड रॉट रोग के बढ़ते प्रकोप और अल नीनो की प्रतिकूल मौसमीय परिस्थितियों ने चीनी उत्पादन को प्रभावित किया है. इसका असर केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के कई देशों में मौसम और फसल संबंधी चुनौतियों के कारण कृषि उत्पादन प्रभावित हुआ है. मंत्री के अनुसार सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं. हालांकि कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि गन्ना क्षेत्र में रेड रॉट का बढ़ता प्रकोप आने वाले समय में और बड़ी चुनौती बन सकता है.

रेड रॉट गन्ने की सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक है, जिसे आम तौर पर 'गन्ने का कैंसर' कहा जाता है. यह एक फफूंदजनित रोग है, जो गन्ने के तने पर हमला कर उसे अंदर से सड़ा देता है. बीमारी से प्रभावित तनों को काटने पर अंदर लाल रंग की सड़न दिखाई देती है, जो इसकी सबसे प्रमुख पहचान मानी जाती है. यह फफूंद गन्ने के ऊतकों में घुस कर पानी और पोषक तत्वों के पूरे सिस्टम को खराब कर देती है. नतीजतन पौधे कमजोर पड़ जाते हैं, सूखने लगते हैं और उनकी बढ़वार रूक जाती है. कई मामलों में पूरा खेत ही गंभीर रूप से प्रभावित हो जाता है. विशेषज्ञों के मुताबिक रेड रॉट बीमारी का असर केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसकी वजह से चीनी मिलों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ता है.रेड रॉट बीमारी की वजह से गन्ने का वजन 30 से 83 प्रतिशत तक कम हो सकता है. गन्ने के रस की मात्रा में 90 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है. खेतों में गन्ने की पैदावार 30 से 80 प्रतिशत या उससे अधिक घट सकती है. सुक्रोज़ की मात्रा कम होने से चीनी रिकवरी दर में भारी कमी आती है. संक्रमित गन्ने से खराब, खट्टी या शराब जैसी गंध आने लगती है. रस में फर्मेंटेशन बढ़ जाता है, जिससे मिलों की उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है.

विदर्भ स्वाभिमान

महत्वपूर्ण नंबर्स

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
एसीबी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

काशी विश्वनाथ से लाए 5101 रुद्राक्ष पाने उमड़े भोले भक्त

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा कंवर नगर,मनीष झांबानी सहित टीम की सराहना,भजनों में झूमे सभी

विदर्भ स्वाभिमान, 25 अगस्त

अमरावती-सावन के पावन महीने में कंवर नगर क्षेत्र में हर-हर महादेव की घोषणाओं से पूरा क्षेत्र भक्तिभाव से जहां सराबोर हो गया, वहीं सुबह 4 बजे से रात में काशी विश्वनाथ से लाए गए रुद्राक्ष प्राप्त करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. सोमवार 24 अगस्त को अंतिम सावन सोमवार हिंदी भाषी समाज के लिए भक्तिमय उत्साह के साथ संपन्न हुआ. कंवर नगर स्थित शिव मंदिर में शिव महिला मंडल एवं शिव नवदुर्गा उत्सव मंडल की ओर से आयोजित शिवमहापुराण कथा का समापन भजन संध्या से हुआ.

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 4 बजे अभिषेक से हुई. प्रज्वल मालू, विश्वस्तरीय किन्नर अखाड़ा उज्जैन की महामंडलेश्वर मां पवित्रा नंदगिरी, महामंडलेश्वर मां मातंगी नंदगिरी उर्फ गुड्डीबाई तथा गायक कौस्तुभ राजपूत के हाथों अभिषेक किया गया. सुबह 5 बजे बाबा की भस्म आरती की गई. इसके बाद गायक कौस्तुभ राजपूत ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी. भक्त भक्ति संगीत में मंत्रमुग्ध होकर झूमते नजर आए. शाम 5 बजे शिवमहापुराण कथा का विधिवत समापन किया गया. इसके बाद देर रात 12 बजे तक भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें कौस्तुभ राजपूत के साथ भजन गायक लकी दादलानी ने भी भजनों की प्रस्तुति दी.

कंवर नगर स्थित शिव मंदिर में शिव महिला मंडल एवं शिव नवदुर्गा उत्सव मंडल द्वारा सावन के आखिरी हिंदी सोमवार पर आयोजित कार्यक्रम में गायक कौस्तुभ का सत्कार करते मनीष झांबानी तथा साथी. भजनों पर ताली बजाने के लिए उमड़े भक्तों का शानदार सैलाब.

रुद्राक्ष पाने उमड़े भक्त-काशी विश्वनाथ से लाए गए 5101 रुद्राक्ष भक्तों में वितरित किए गए. मंदिर प्रमुख मनीष झांबानी ने बताया कि काशी विश्वनाथ के रुद्राक्ष की धार्मिक मान्यता और महिमा को देखते हुए भक्तों को इसका लाभ मिले, इसी उद्देश्य से यह आयोजन किया गया.आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर रुद्राक्ष प्राप्त किया. पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष और भजनों से गूंजता रहा. सावन के महीने में एक महीने तक मंदिर में विभिन्न कार्यक्रम चलते रहे और हजारों भक्तों ने दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त किया. इस भक्तिभाव से परिपूर्ण मौका उपलब्ध कराने के लिए हजारों भक्तों ने मंदिर के प्रमुख मनीष झांबानी और सभी भोले भक्तों की सराहना की. सावन के पावन महीने में बारह ज्योतिलिंग रहने वाले मंदिर में हजारों भक्तों ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए.

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर यादव समाज लेगा महोत्सव

खेल, सांस्कृतिक स्पर्धा,मेधावियों का सत्कार

अमरावती- हर साल की तरह ही इस वर्ष भी यादव समाज द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हर्ष व उत्साह के साथ मनाई जाएगी. यादव समाज सेवा संगठन की कार्यकारिणी एवं गणमान्य सदस्यों की बैठक राजापेठ चौक स्थित वटकेश्वर मंदिर हॉल में गोरखनाथ यादव की अध्यक्षता में हुई.इसमें होने वाले कार्यक्रमों का नियोजन किया गया. समाजबंधुओं से शामिल होने तथा लाभ लेने का आग्रह किया गया है.30 अगस्त को श्री शिवाजी शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय मैदान में 100 से 1500 मीटर दौड़, गोला-चक्र-भाला फेंक और रस्साकशी सहित विभिन्न खेल स्पर्धाएं होंगी. 4 सितंबर को दीपार्चन सभागृह में रंगोली, चित्रकला, मेहंदी, भजन-कीर्तन, लोकगीत, देशभक्ति गीत, हस्तकला, लोकनृत्य व फैंसी ड्रेस सहित विविध स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव, पूजा-अर्चना के बाद माखन-मिश्री महाप्रसाद वितरित किया जाएगा. शैक्षणिक एवं खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न स्मृति पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा.छात्रवृत्ति व क्रीड़ा छात्रवृत्ति के लिए पात्र विद्यार्थियों से आवश्यक अंकपत्र की प्रतिलिपि सहित आवेदन 30 अगस्त तक संगठन अध्यक्ष अथवा सचिव के पास जमा करने का आग्रह किया गया है. समाज संगठन के सचिव प्रा. राधेश्याम यादव ने समाजबंधुओं से बड़ी संख्या में सहभागी होकर जन्मोत्सव का लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें
विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.
संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.
मो.9423426199

गुरूवार 27 अगस्त से 2 सितंबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है. घर में मेहमानों का आगमन होगा. वाहन धीरे चलाएं और नाहक किसी से विवाद से बचें. माता-पिता तथा बुजुर्गो का आशिर्वाद चमत्कारी लाभ देने वाला है. किसी से भी नाहक विवाद नहीं करें.

वृषभ- इस सप्ताह आप नया वाहन आदि खरीद सकते है, परिवार में नया मेहमान आ सकता है. आपको कोई नए कार्य का बड़ा ऑफर आज मिल सकता है, किसी पुराने मित्र से मिलना होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे.

मिथुन- आज का दिन आपका शानदार रहेगा, मन स्थिर और प्रसन्न रहेगा. वाणी के प्रभाव से आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे. किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा. आज कोई नया व्यापार आप शुरू कर सकते है, पार्टनर के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कर्क- आज का दिन आपका सोच विचार कर काम करने का है. आप कोई बड़ा डिसीजन व्यापार-व्यवसाय में न लें, नई साझेदारी में सावधानी बरतें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, पार्टनर के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी. आप आज वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें.

सिंह-आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. व्यापार-व्यवसाय में अपने सहयोगी पार्टनर्स से सावधान रहें, नहीं तो आपका काम बिगड़ सकता है. कोई नया लेन-देन आज न करें, वाहन चलाते समय सावधानी बरतें.

कन्या-आज आपका मन अशांत रहेगा, व्यापार-व्यवसाय में नुकसान उठाना पड़ सकता है. कोई बड़ा काम आपके हाथ से निकल सकता है. आज आप पारिवारिक मतभेद में उलझ सकते हैं. आप कोई बड़ा जोखिम आज व्यापार मे न उठाएं. पार्टनर के स्वास्थ्य के कारण चिंतित रह सकते हैं.

तुला-आज का दिन आपका बहुत अच्छा रहने वाला है, आज आप कोई नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं. आपनों का साथ मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे. कोई नया वाहन मकान खरीद सकते हैं,किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं.

वृश्चिक-आज आप किसी अपने के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे, माता-पिता का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है. व्यापार-व्यवसाय में अपने पार्टनर का आज आपको सहयोग मिलेगा. कोई बड़ा काम आज आप शुरू कर सकते हैं काम में रुकावट जरूर आएगी. वाणी पर संयम रखें.

धनु-आज के दिन आप वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें. किसी काम का बहुत दिनों से सोच रहे हैं आज वह काम पूरा होगा. न्यायालय पक्ष के काम में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. वाणी पर संयम रखें, वाद विवाद की स्थिति में अपना बचाव करें.

मकर- सप्ताह में आपको कोई सुखद समाचार मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम का योग बनेगा. आप कोई नया निवेश व्यापार-व्यवसाय में कर सकते हैं. पार्टनर का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा.

कुंभ-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है. आप कोई नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं या व्यापार में कोई बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में पार्टनर का अच्छा सहयोग मिलने से कार्यक्षेत्र में लाभ होगा. परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा.

मीन- इस सप्ताह स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा. आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. आप परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी में पड़ सकते हैं. संतान की चिंता बनी रहेगी, व्यापार-व्यवसाय में सहयोगी से मतभेद बढ़ सकते है, आज आप किसी नए काम के लिए विचार कर सकते हैं. पारिवारिक विवाद से दूर रहें.

आपका सप्ताह शुभ हो, विदर्भ स्वाभिमान यही कामना करता है.

जिले में गणेशोत्सव की तैयारी तेज, राज्य महोत्सव के चलते होगी स्पर्धा

विदर्भ स्वाभिमान,26 अगस्त

अमरावती- राज्य सरकार द्वारा गणेशोत्सव को राज्य उत्सव का दर्जा देने के कारण जहां गणेश मंडलों में उत्साह है, वहीं तहसील से जिला,राज्यस्तरीय स्पर्धा का आयोजन प्रशासन द्वारा किया गया है. इसमें अलग-अलग राशि के पुरस्कारों की घोषणा की गई है. इसका लाभ सभी गणेश मंडलों से उठाने का आग्रह संभागीय आयुक्त नयना गुंडे ने किया है. इस बीच शहर से लेकर जिला और राज्यस्तर पर भी गणेशोत्सव की तैयारियां तेजी से की जा रही है.विघ्नहर्ता गणेशजी के आगमन को लेकर सर्वत्र अभी से उत्साह दिखाई दे रहा है. मंडलों द्वारा पंजीयन से लेकर झांकियों की तैयारी की जा रही है. अमरावती शहर में खाटू श्याम से लेकर बालाजी के दर्शन कराने के लिए गणेश मंडल तैयार हो चुके हैं. मूर्तियों पर महंगाई की मार भी दिखाई दे रही है.

शहर के साथ ही जिले में गणेशोत्सव को लेकर बच्चों से लेकर बड़ों में अपार उत्साह है. उत्सह के दौरान जिस तरह से बच्चों में गणेश स्थापना से लेकर मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों का नियोजन किया जा रहा है और मंडप के साथ ही कार्यकारिणी की घोषणा की जा रही है.शहर को सांस्कृतिक तथा धार्मिक नगरी के रूप में पहचान रखती है. शहर में सैकड़ों गणेश मंडलों द्वारा गणेशजी की आराधना की जाती है. इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है.कई गणेश मंडलों द्वारा आजादी के बाद से ही गणेशोत्सव मनाया जा रहा है. इन मंडलों द्वारा हर साल विभिन्न आकर्षक झांकी बनाई जाती है. इतना ही नहीं तो मंडलों द्वारा बनाई जाने वाली झांकियों को देखने के लिए लाखों की भीड़ जमा होती है. राज्य सरकार ने गणेशोत्सव के पहले सभी रास्तों को चकाचक करने का मानस जताया है.

कमिंग सून का लगा फलक

शहर में भी कई गणेश मंडलों द्वारा गणेशोत्सव की तैयारी के चलते बाप्पा के स्वागत और आगमन का बोर्ड भी कई स्थानों पर लग चुका है. बच्चों से लेकर युवाओं में गणेशोत्सव को लेकर अपार उत्साह है. इसके मद्देनजर इस साल का गणेशोत्सव काफी अलग रहने की संभावना जताई जा रही है. शहर के आजाद गणेशोत्सव मंडल, न्यू आजाद गणेशोत्सव मंडल के साथ ही दर्जनभर से अधिक बड़े मंडलों द्वारा तैयारियां तेज की गई हैं. मूर्तिकारों द्वारा मूर्ति निर्माण में दिन-रात एक किया जा रहा है. शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाप्पा के आगमन को लेकर अपार भक्तिभाव, उत्साह दिखाई दे रहा है. सभी अपना योगदान देने तथा सफल बनाने प्रयासरत हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN/2010/43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विना एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

गरीबों को देंगे मुफ्त सिलेंडर

चेन्नई-तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में कई बड़े ऐलान किए हैं. सरकार ने गरीब परिवारों को साल में तीन मुफ्त सिलेंडर देने की योजना का ऐलान किया है. 'अन्नपूर्णानी सुपर सिक्स' नाम की यह योजना पोंगल 2027 से शुरू होगी. इसके तहत सालाना 2.5 लाख रुपये से कम आय वाले परिवारों को हर साल तीन सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे. सरकार के मुताबिक, इस योजना से करीब 1.30 करोड़ परिवारों को फायदा मिलेगा. इसके लिए राज्य के खजाने से हर साल करीब 4 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

HISTORY WAS MADE LAST YEAR! HISTORY IS BEING MADE AGAIN!

Health for all...
GRDC
Ghundiyal Radiodiagnostic Centre
All Advanced Imaging Modalities under One Roof

Celebrates 25 Years of Diagnostic Excellence with Yet Another Historic Launch!

ONE YEAR. TWO HISTORIC LAUNCHES. FOUR REVOLUTIONARY MACHINES.

After last year's launch of India's First-Ever Siemens Somatom Go Up 192 Slice CT Scan & India's First-Ever Fujifilm FDR Smart X Digital X-Ray,

We bring to Amravati not just one, but Two More Breakthrough Machines that redefine the future of Radiodiagnosis.

Because when it comes to Innovation, we don't wait for the future to arrive ...we bring it home first!

Samsung R20 Sonography & Colour Doppler

The Very First of its Kind in Central India
Imported from South Korea
Brand New

- ☑ Powered by next-generation AI-driven technology for highly precise diagnosis
- ☑ Ultra-high-resolution imaging for outstanding clarity across all body types
- ☑ Crystal-clear visualisation of tiniest anatomical details & microvascular flow
- ☑ AI-assisted automation for faster scans & quicker reports
- ☑ Intelligent lesion detection & automated measurements
- ☑ Advanced Shear Wave Elastography for sophisticated tissue assessment
- ☑ Comprehensive full-body imaging across multiple specialties
- ☑ Enhanced patient-centric comfort & smoother scanning experience
- ☑ 27" OLED display with deeper contrast & wider viewing angle

Xtromam Axis Digital X-Ray Mammography

India's Very First Digital Model of its Kind
Proudly Made in India
Brand New

- ☑ Exceptional image quality for early detection of subtle breast abnormalities
- ☑ Faster, safer, gentler & more comfortable than conventional mammography
- ☑ Consistently high-quality imaging with the lowest possible radiation dosage
- ☑ Intelligent Dual-Speed Compression for minimal discomfort
- ☑ Automatic decompression immediately after imaging
- ☑ Rapid image acquisition for reduced examination & compression time
- ☑ Smart automation for faster examinations & fewer repeat scans
- ☑ Enhanced confidence in dense breast imaging across varying breast densities
- ☑ Advanced AI-assisted imaging for accurate clinical guidance prior to biopsy.

Complete Radiodiagnostic Care Under One Roof

Trusted by patients & recommended by doctors, Ghundiyal Radiodiagnostic Centre offers -

- ☑ All brand new machines, powered by the latest advanced technology
- ☑ 24X7 diagnosis & reporting for emergencies
- ☑ Expert radiologists with 25+ years of experience
- ☑ 160 KVA generator back-up for all machines
- ☑ In-house certified technicians available round the clock
- ☑ Ultra-modern & fully air-conditioned premises
- ☑ Special entrance passage for wheelchairs, stretchers & ambulances
- ☑ Transparent, ethical & patient-first care

Siemens Silent 1.5 Tesla 96 Channel Magnetom Sempra MRI
India's First-Ever of Its Kind
Brand New & Imported from Germany

Siemens Somatom Go Up 192 Slice CT Scan (VB 10)
India's First-Ever of Its Kind
Brand New & Imported from Germany

Fujifilm FDR Smart X Digital X-Ray
India's First-Ever of Its Kind
Brand New & Imported from Japan

25 GLORIOUS YEARS | COUNTLESS LIVES TOUCHED | A LEGACY OF INDIA'S FIRSTS

THE JOURNEY THAT BELONGS TO ALL OF AMRAVATI

At Ghundiyal Radiodiagnostic Centre, we believe technology is meaningful only when it serves people. That is why, even after 25 years, we continue to invest not only in next-generation machines & groundbreaking technology, but also in clinical expertise & compassionate patient care.

Today, as we celebrate our Silver Jubilee with yet another Historic Launch, with our hearts full of gratitude, we dedicate this milestone to:

Every patient who trusted us · Every doctor who believed in us · Every family that made us a part of their healthcare journey

As we step into the next chapter, we carry your faith with us - and promise to keep earning it, every single day, one diagnosis at a time - for many more years to come.

Mudholkar Peth, Near Rajpuriya Medicals, Badnera Road, Amravati - 444601. 0721-2560713, 2570030